मीडिया समन्वय कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 08 फरवरी 2017

किसी भी मुल्क़ और क़ौम के आगे बढ़ने के लिए शिक्षा और भाईचारा ज़रूरी

देश के पूर्व राष्ट्रपति और विख्यात शिक्षाविद् डा ज़ाकिर हुसैन की 120 वीं सालगिरह पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने आज उन्हें श्रृद्धाजंलि देते हुए कहा कि शिक्षा में पिछड़े अल्पसंख्यकों को शिक्षित करने, जेएमआई को आगे बढ़ाने और देश में सेकुलर विचारों तथा हिन्दू मुस्लिम भाईचारा क़ायम करने के बारे में उनके विचार हमेशा सार्थक बने रहेंगे।

जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद ने इस मौके पर कहा, ''डा ज़ाकिर हुसैन मानते थे कि किसी भी मुल्क़ और क़ौम के आगे बढ़ने के लिए शिक्षा और भाईचारा का होना बहुत ज़रूरी है। उनकी यह सोच आज भी पूरी तरह से सार्थक बनी हुई है। ''

डा ज़ाकिर हुसैन जेएमआई के सबसे लंबे समय तक रहे कुलपति हैं। वह 1926 से 1948 तक जेएमआई के कुलपति रहे। 1962 में वह देश के उप **राष्ट्र**पति और 1967 में **राष्ट्र**पति पद पर सम्मानित हुए। 3 मई 1969 में उनका निधन हो गया।

जेएमआई परिसर में ज़ाकिर साहब के मज़ार पर आयोजित प्रार्थना सभा के बाद संवाददाताओं से बातचीत के दौरान प्रो अहमद ने कहा, '' डा ज़ाकिर साहब का

जेएमआई, सारी कौम और हिन्दुस्तान को दिया गया योगदान क़ाबिले तारीफ़ है। उन्होंने बहुत पहले सेकुलरईज़्म के साथ अल्पसंख्यकों में शिक्षा के प्रसार की मज़बूत नींव डाली। ''

उन्होंने कहा कि जेएमआई के अलावा जाकिर साहब ने देश के अन्य हिस्सों में भी अल्पसंख्यकों को शिक्षित करने के लिए काम किए और कई संस्थान खोले, जो आज भी फल फूल रहे हैं।

प्रो तलत ने कहा कि डा ज़ाकिर हुसैन ने शिक्षा को मानवीय पहलुओं से जोड़ने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया।

प्रार्थना सभा में प्रो अहमद के साथ ही जेएमआई के रजिस्ट्रार ए पी सिददीकी : आईपीएस : , विभिन्न विभागों के अध्यापक और छात्र उपस्थित थे।

प्रो साईमा सईद
डिप्टि मिडिया कोआरडिनेटर
मोबाईल 9891227771